

Padma Bhushan



SHRI SACHCHIDANAND SWAMI

Swami Sachchidanand is a social reformer, philosopher, welfare activist and writer from Gujarat.

2. Born on 22nd April, 1932 in Moti Chandur, Gujarat, Swami Sachchidanand studied in Kashi for 11 years. He took 'Bhrahmcharya diksha' in the Kumbh Mela of Prayagraj and 'Sanyasadiksha' at Swami Shri Muktanandji in Firozpur city of Punjab. He received Degree of 'Vedantacharya' (with the main subject of Shankar Vedanta). He came First in the University and won Gold Medal.

3. Swami Sachchidanand has traveled around the world. He established Shri 'Bhakti Niketan Ashram' in Dantali (Petlad) and 'Maharshi Kanad Gurukul' secondary school and hostel in Suigam. He gave lectures on 'Brahmasutra' and 'Indian Philosophy' in Valam (Ta. Visnagar) which were published as his first book. He brought awareness in the society through more than 5000 lectures. He wrote more than 142 books and these books have been translated into Hindi, English and Marathi.

4. Swami Sachchidanand has been doing a number of humanitarian activities in Bhakti Niketan Ashram. The Ashram has three old age homes, relief clinics, Sadavrat, Chhas Kendra, scholarships, widow assistance, medical aid, donation of clothes, donation of warm blankets, cash assistance to poor families, distribution of books to students. He works with an aim to uplift the human values and the whole society at large. He has done numerous welfare activities like many lakes in Gujarat were deepened to alleviate the water crisis; financial assistance to several villages for construction of check dams; creation of classrooms in many schools; organizing multiple blood donation camps; cooperation in completing 'Sardar Sarovar Dam'. During Covid times, an oxygen plant was donated to the civil hospital at Petlad, Gujarat. Petlad 'SMASHAN' provides wood for everyone for only Rs.1/- for funeral without any caste discrimination.

5. Swami Sachchidanand has been honoured with several awards like Arvind Gold Medal for the books 'Sansar Ramayana' and 'Shri Krishnalila Rahasya' by Gujarati Sahitya Parishad; Suvarna Chandrak Narmad Kakasaheb Kalelkar Award for the book 'Mara anubhavo'; 'Vedanta Samiksha' award by Gujarati Sahitya; Dadhichi Award by 'Helping Hand' (Ahmedabad); Anart Award; Shri Gondhia Award by Diwalibahen Mehta Trust (Mumbai) for religious philanthropy.

पद्म भूषण



श्री सच्चिदानन्द स्वामी

स्वामी सच्चिदानन्द गुजरात से समाज सुधारक, दार्शनिक, कल्याणकारी कार्यकर्ता और लेखक के रूप में कार्य कर रहे हैं।

2. 22 अप्रैल, 1932 को गुजरात के मोती चंदूर में जन्मे स्वामी सच्चिदानन्द ने 11 साल तक काशी में पढ़ाई की। उन्होंने प्रयागराज के कुंभ मेले में 'ब्रह्मचर्य दीक्षा' तथा पंजाब के फिरोज़पुर शहर में स्वामी श्री मुक्तानन्दजी से 'सन्यास दीक्षा' ली। उन्होंने 'वेदांताचार्य' (शंकर वेदांत के मुख्य विषय के साथ) की उपाधि प्राप्त की। वे विश्वविद्यालय में प्रथम आये और स्वर्ण पदक जीता।

3. स्वामी सच्चिदानन्द ने दुनिया भर की यात्रा की है। उन्होंने दंतली (पेटलाड) में श्री 'भक्ति निकेतन आश्रम' और सुइगम में 'महर्षि कणाद गुरुकुल' माध्यमिक विद्यालय और छात्रावास की स्थापना की। उन्होंने वलम (ता. विसनगर) में 'ब्रह्मसूत्र' और 'भारतीय दर्शन' पर व्याख्यान दिए, जो उनकी पहली पुस्तक के रूप में प्रकाशित हुए। उन्होंने 5000 से अधिक व्याख्यानों के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाई। उन्होंने 142 से अधिक पुस्तकें लिखीं और इन पुस्तकों का हिंदी, अंग्रेजी और मराठी में अनुवाद किया गया है।

4. स्वामी सच्चिदानन्द भक्ति निकेतन आश्रम में कई मानवीय कार्यकलापों से जुड़े रहे हैं। आश्रम में तीन वृद्धाश्रम, राहत क्लीनिक, सदाव्रत, छस केंद्र हैं यहां छात्रवृत्तियां, विधवा सहायता, चिकित्सा सहायता, कपड़ा का दान, गर्म कंबल का दान, गरीब परिवारों को नकद सहायता, छात्रों को पुस्तकों का वितरण किया जाता है। वे मानवीय मूल्यों और पूरे समाज के उत्थान के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर काम करते हैं। उन्होंने कई कल्याणकारी कार्य किए हैं, जैसे गुजरात में कई झीलों को पानी के संकट को कम करने के लिए गहरा किया जाना; कई गांवों को चेक डैम के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना; कई स्कूलों में कक्षाओं का निर्माण; कई रक्तदान शिविरों का आयोजन करना; सरदार सरोवर बांध को पूरा करने में सहयोग इन कार्यों में शामिल है। कोविड के समय में, गुजरात के पेटलाड के सिविल अस्पताल में एक ऑक्सीजन प्लांट दान किया गया था। पेटलाड 'श्मशान' सभी को बिना किसी जातिगत भेदभाव के अंतिम संस्कार के लिए केवल 1 रुपये में लकड़ी प्रदान करता है।

5. स्वामी सच्चिदानन्द को गुजराती साहित्य परिषद द्वारा 'संसार रामायण' और 'श्री कृष्णलीला रहस्य' पुस्तकों के लिए अरविंद गोल्ड मेडल, सुवर्ण चंद्रक नर्मद काकासाहेब कालेलकर पुरस्कार 'मारा अनुभवों' पुस्तक के लिए; गुजराती साहित्य द्वारा 'वेदांत समीक्षा' पुरस्कार; 'हेल्लिंग हँड' (अहमदाबाद) द्वारा दधीचि पुरस्कार; अनार्ट पुरस्कार; धार्मिक परोपकार के लिए दीवालीबहन मेहता ट्रस्ट (मुंबई) द्वारा श्री गोंदिया पुरस्कार जैसे कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।